JIMMC न्यूज़

Saturday, April 23,2016

www.jimmc.com

बैन पर अधिसूचना जारी

गुटखा तम्बाकू: अदालत की रोक के चलते आदेश लागू नहीं

शान मोहम्मद , नई दिल्ली ।

दिल्ली सरकार ने गुटखा और तम्बाकू पर एक साल के लिए बैन लगा दिया है। इस बारे में दिल्ली सरकार ने 13 अप्रैल 2016 को एक अधिसूचना जारी किया था। अधिसूचना जारी होने के बाद से ही गुटखा और तम्बाकू बेचने, भण्डारण और वितरण करने पर प्रतिबंध लग चुका है । दिल्ली सरकार के इस प्रतिबंध को लगभग एक हफ्ता हो चला है लेकिन आज भी दिल्ली की सड़कों पर गुटखा और तम्बाकू आराम से खरीदी, बेची जा रही है। क्या ये प्रतिबंध सिर्फ कागज़ी तौर पर है, जिसे सरकार ने अपनी पीठ थपथपाने के लिए लागू किया है जिससे उनके जयघोष में एक और कारनामा जुड़ जाए।

दिल्ली के फूड सेफ्टी कमिश्नर ने इसे लेकर एक अधिसूचना जारी की है । दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन का कहना है कि "पिछले तम्बाकू बैन को लेकर सरकार ने जो अधिसूचना जारी की थी ये केवल उसका एक्सटेंशन है क्योंकि अधिसूचना का समय खत्म हो रहा था।

यानी सरकार की इस अधिसूचना का कोई मतलब फिलहाल नहीं निकलता, क्योंकि इस तरह की अधिसूचना तो मार्च 2015 में भी जारी हुई थी, जिसे कई तंबाकू कंपनियों ने दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी थी और कहा था कि दिल्ली सरकार नहीं बल्कि सेंट्रल एक्ट के तहत ये अधिकार केंद्र को है।

जिसके बाद इस पर हाईकोर्ट ने किसी भी एक्शन पर रोक लगा दी थी। दिल्ली हाईकोर्ट में मामला चल रहा है और अगली तारीख जुलाई में है। अंतरिम रोक भी बरकरार है। ऐसे में यह सिर्फ पिछले साल जारी हुई अधिसूचना का एक साल का और एक्सटेंशन है।

यह पूछे जाने पर कि क्या ये अधिसूचना सरकार की और से कागजी कार्रवाई है सत्येंद्र जैन बोले, "वो आप जो मर्ज़ी चाहें शब्द इस्तेमाल करने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन हम कोर्ट के आदेश का पूरा सम्मान करते हैं।"

- दिल्ली की सड़कों पर धड़ल्ले से बिक रहा पान मसाला
- भण्डारण और वितरण पर भी लगाया गया था प्रतिबंध

दूसरी तरफ दिल्ली रेलवे स्टेशन पर तम्बाकू बेंच रहे रामलाल ने जिम्सी को बताया, "स्टेशन परिसर पर पान मसाला और गुटखा बेचने के लिए हमे पुलिस को खिलाना पड़ता है तब जाके हम अपना पेट पाल रहे हैं।" जब पुलिस के कुछ लोगों से जिम्सी ने बात करने की कोशिश की तो उन्होंने बात करने से साफ मना कर दिया ।

चलिए, हम मान लेते हैं कि तम्बाकू उत्पाद पूरी तरह बैन हो भी जाते हैं तब भी क्या सरकार काला बाज़ारियों से निपट पाएगी। ये बहुत ही आम बात है कि जब भी हमारे देश में किसी चीज़ पर बैन लगाने की बात उठती है तो काला बाज़ारी पहले ही उसे ब्लैक करने की रणनीति बना लेते हैं। ऐसे में सरकार के लिए तम्बाकू उत्पादों के ब्लैक को काबू करना एक बड़ी चुनौती होगी। दिल्ली की सड़कों पर खुले-आम बेचे जा रहे तम्बाकू उत्पादों की पैठ बहुत गहरी है जिन्होंने पहले से ही इस प्रतिबंध से निपटने का इंतज़ाम कर लिया होगा। अब सरकारी अमले को चाहिए कि वो सरकार के इस फैसले को लागू करायें ।

रोक के बावजूद धडल्ले से बिक रहा गुटखा

श्रृद्धा चतुर्वेदी, नई दिल्ली ।

दिल्ली के लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल मार्ग व राष्ट्रीय राज मार्ग पर इसकी खुले आम बिक्री देखी जा सकती है। देश की राजधानी में गुटखा पान मसालों की बिक्री खुले आम हो रही है। अस्पतालों और स्कूलों जैसे प्रतिबंधित इलाकों में भी यह जहर खुले आम बिक रहा है। पच्कुइया रोड़ पर स्थित लेडी हागी अस्पताल के बाहर दूकान चलाने वाले अशोक अपनी दुकान मसाले व सिग्रराते धड़ल्ले से बेच रहे हैं| इसके बावजूद प्रशासन अपनी आखें मूंदे हुए हैं| कुछ ऐसा ही हाल कलावती सरल अस्पताल के पास भी है यहाँ भी गुटखा खुलेआम बिक रहा है|

पच्कुइया रोड़ पर अशोक अपनी दुकान पर धड़ल्ले से पान गुटखा बेचते हुए

दिल्ली के सबसे व्यवस्थतम इलाके कनॉट प्लेस, चांदनी चौक पर भी इस ज़हर की बिक्री सरेआम हो रही है, और लोग इसे खरीद रहे हैं| पूर्वी दिल्ली के लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल से पुरानी दिल्ली के जीवंतपंत अस्पताल के बाहर तक इस जहर का कारोबार तेजी से हो रहा है। इसी तरह राजधानी के स्कूलों के बाहर भी यह नशा खुले आम बिक रहा है। नियम के मुताबिक स्कूली बच्चों को इस तरह का जहर बेचने पर सात साल की सजा और एक लाख रुपये जुर्माने का प्रवधान है,लेकन फिर भी बिना खौफ के इसे बेचा जा रहा है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के बाहर भी यह जहर खुले आम बिक रहा है।इस पर हमने यहां पर गुटखा खरीदने वाले ग्राहक अजय से बात की तो उसने कहा कि ये बिकता है तभी हम इसे खरीदते हैं और खाते है। इसी पर यहां दुकान चलाने वाले राजेश य़ादव ने कहा कि हमारे पास इसे बेचने की परमीशन और लाइसेंस है इसलिए हम इसे बेच रहे हैं।

दिल्ली सरकार ने दिल्ली में तंबाकू बैन तो कर दिया है लेकिन तंबाकू की इस तहर खुलेआम बिक्री यह बताती है कि दिल्ली सरकार का कोई भी जोर पानमसाले , गुटखा जैसे उत्पादों को रोकने में असरदार नहीं है।

Hindu College: A celebrity alumni hub

Anurag Bohra, New Delhi

The 'Hindu College' is one of the most distinguished academic institutions in the Capital as it has eminent personalities among its alumni. The most recent to join the ranks of the college's infamous achiever is North-Eastern beauty from Guwahati, Priyadarshini Chatterjee. The 19-year-old BA (Honours) Sociology student bagged the Miss India World title at a recently held beauty pageant. Priyadarshini is considered an exceptionally meritorious scholar by the faculty and students.

"Priyadarshini is a bright student and is very disciplined and punctual. She has a long way to go. She has made us proud. I wish her all the best for her future endeavors," said Dr. Anju Srivastava, Principal of Hindu College.

Priyadarshini is believed to have excelled both in academics as well as extra-curricular activities. "Priya is an all rounder. Be it studies, sports or arts. She is a perfectionist. Her passion and enthusiasm is unbelievable. The most graceful and talented dancer of Hindu College," said a student.

The institution is hopeful about Priyadarshini's prospects of winning the Miss World pageant. Hindu college has celebrity alumni from various walks of life, namely Arnab Goswami, Subramanian Swamy, Arjun Rampal, Imtiaz Ali and Rekha Bharadwaj.

दिल्ली में खुली पहली महिला शराब दुकान

गंगा कुमारी, नई दिल्ली ।

बिहार जहां में महिलाओं के विरोध करने पर शराब पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी है तो वहीं दूसरी ओर राजधानी दिल्ली में महिलाओं के लिए ही शराब की दुकान खोली गयी है। दिल्ली में ज्यादातर महिलाएं नौकरीपेशा वाली हैं इसलिए यहां की औरतों का जीवन स्तर बाकी राज्यों के मुकाबले ज्यादा ऊँचा है । दिल्ली में पहली बार महिलाओं के लिए अलग से वाइन शॉप खोली गई है। महिलाएं यहां खरीदारी के लिए पहुंच भी रही हैं और वे काफी खुश भी हैं। यूं तो मयूर विहार फेज वन के स्टार सिटी मॉल में कई वाइन शॉप हैं लेकिन पिछले साल यहां खुली यह शॉप बेहद खास है क्योंकि इसे सिर्फ महिलाओं के लिए बनाया गया है। यहां पुरुषों का आना पूरी तरह बैन है। इतना ही नहीं महिलाओं को सुरक्षित महसूस कराने के लिए यहां स्टोरकीपर भी एक महिला ही है जो पूछे जाने वाले किसी भी सवाल का जवाब देती है। 2015 के अक्तूबर में खुली ये वाइन शॉप पूरी तरह महिलाओं की जरूरतों को

- ज्यादातर शराब महंगी है
- रोजाना तकरीबन 20-30 महिलाएं आती है खरीदारी करने आती हैं

ध्यान में रखकर बनाई गई है। दिल्ली में महिलाओं के लिए खुलने वाली पहली वाइन शॉप है। यहां उन्हें पुरुषों की घूरती नजरों और फब्तियों से दो चार नहीं होना पड़ता है। यहां के स्टोर मैनेजर उमेश सक्सेना का कहना है कि यह दिल्ली में बिल्कुल नया कॉन्सेप्ट है। हमने महिलाओं की परेशानियों और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कुछ अलग सोचा है। अक्सर दूसरी शराब की दुकान पर महिलाएं उतनी सहज होकर शराब नहीं खरीद पाती है। यहां हमने महिलाओं की सुविधा के लिए स्टोर कीपर भी एक महिला को रखा है।

स्टोर कीपर रीना कहना है कि यहां तकरीबन 20-30 महिलाएं रोजाना आती हैं और हर तरह की ड्रिंक्स लेती हैं लेकिन ज्यादातर महिलाएं लाइट ड्रिंक्स जैसे वोडका, वाइन, ब्रीजर, टकीला और शैंपेन लेती हैं। वह खुद को पूरी तरह से यहां सुरक्षित महसूस करती हैं।

यहां आने वाले लोग काफी अच्छा व्यवहार करते हैं। शराब लेने आयी विप्रो में कार्यरत नेहा बताती हैं कि अन्य शराब की दुकानों पर जब मैं शराब लेने जाती थी तो मुझे लोगों की गंदी नजरों से होकर गुजरना पड़ता था। इस दुकान के खुल जाने से हम आसानी से अपने ड्रिंक्स का चयन कर पाते हैं ।

वहीं इस दुकान के मालिक रोहित अरोड़ा जिनकी दिल्ली में और भी वाइन शॉप हैं, उनका कहना है कि अभी दुकान को खुले 6-7 महीने ही हुए हैं इसलिए बिक्री थोड़ी कम है, लेकिन जैसे-जैसे लोगों को इसका पता चलेगा बिक्री बढ़ेगा हैं।

चिड़ियाघर में ब्रीडिंग की वजह से जानवरों से अक्रामकता

मोहम्मद सद्दाम, नई दिल्ली ।

राजधानी स्थित चिड़ियाघर में जानवरों की ब्रिडिंग शुरू हो गयी है। चिड़ियाघर के प्रवक्ता रियाज खान ने बताया कि ब्रिडिंग के दौरान नर और मादा के आक्रामक हो जाते हैं जिसके चलते लड़ाई होना आम बात है। बीते दिन ही दो चितल आपस में ही भीड़ गये थे,इनकी लड़ाई ने इतना खुखार रूप ले लिया की दोनों लड़ते-लड़ते मर गये।

इस साल चिड़ियाघर में लगभग 1347 पशु-पक्षियों का बेड़ा है। जिनके रहने के लिए अलग-अलग घर बनायें गये हैं।इसमें विशेष रूप से चिम्पांजी,दरियाई घोड़ा,अफ्रीकी जंगली भैंस,जिराफ़,शेर,भारतीय गेंड़ा, दलदल हिरण, एशियाई शेर, माथे हिरण, लाल और जंगली मुर्गी है।इस वर्ष के जनवरी महीनें में एक भूमिगत सांप को भी लाया गया है।इस बार लोगों का मुख्य आकर्षण सफेद बाघ है। रियाज का कहना है कि ज्यादातर लोग इसे ही देखने आते हैं।अब चिड़ियाघर में कुल 1344 जानवर ही बचे हैं।इनके रख-रखाव और खान-पान का विशेष प्रबंध किया गया है।

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग

नीशू त्यागी, तौहिद आलम नोएडा ।

सेक्टर-11 के एक घर में आग लगने से सारा सामान जल कर राख हो गया। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया गया है। कुछ देर बाद पहुंची फायर बिग्रेड ने पहुंचकर आग को काबू कर लिया था। घर की एक महिला जख्मी हो गयी। फायर बिग्रेड के देर से पहुंचने पर लोगों ने इसका विरोध दर्ज किया। सड़क पर लोगों की भीड़ जमा होनें के कारण सेक्टर -11 के संदीप मिल चौराहा पर जाम लग गया, लेकिन मौके पर पहुंचे हरिदर्शन चौकी के प्रभारी प्रभात जोशी ने यातायात व्यवस्था को काबू किया और सुचारु रुप से आवागमन कराया।

सेक्टर-11 के एच ब्लाक में मकान नम्बर 1 में संतोष कुमार शर्मा परिवार के साथ रहते हैं। उन्होनें बताया कि सोमवार को शाम 6 बजे के आस-पास उनके घर पर आग लग गई। आग लगने के कारण एसी भी फट गया जिसके कारण आग और तेजी से फैल गयी। आग लगने की सूचना फायर स्टेशन पर दी। लेकिन फायर बिग्रेड के नहीं पहुंचने पर मौजूद लोगों में रोष फैल गया। पीडितों का कहना है कि लगभग एक घंटे बाद फायर बिग्रेड की गाड़ी आयी है। फायर स्टेशन अधिकारी कुलदीप कुमार का कहना है, मकान मालिक ने बताया है कि बिजली की फींटिग में शार्ट सर्किट होने के कारण आग लगी। अधिकारी कुलदीप कुमार से जब लेट होने की वजह पूछी गयी तो उनका गैर जिम्मेदराना बयान आया कि जिसके घर आग लगती है उसे एक मिनट भी एक घंटे के समान लगता है और जब फायर स्टेशन पर खबर दी जाएगी तभी तो हम आएगें। हमें नहीं पता कि इसे पहले आप कहा सूचना दे रहे थे। उन्होनें कहा कि हम आग लगने की सूचना पर तुरंत गाड़ी लेकर पहुंचे और आग को काबू कर लिया गया है।

फायर ब्रिगेड वालों कि लापरवाही से एक और घर जलकर खाक हो गया। हालांकि इन सब के बावजूद फायर ब्रिगेड अधिकारी खुद को जिम्मेवार नहीं मानते। ऊपर से तुर्रा यह है कि वे अपनी नाकामियों का ठीकरा दूसरे के सर फोड़ने से बाज नहीं आते हैं।

Delhi gets its first dog café

Ruby Khanna, New Delhi ।

US countries have a whole host of dog cafes, but now it seems that the trend is spreading far and wide. Recently on 16th April 2016 a dog café namely "Puppychino" has been opened in Hauz Khas village, a posh and trendy part of the national capital.

Puppychino, located at Shahpur-Jat, Hauz Khas, is a café that promises all kinds of awesomeness that dogs, cats and their humans can expect. The café has a dedicated dog space for them to play in and the spot will also stock dog merchandise like dog leashes, collars, treats, grooming tools, bows etc.

The café also has a special dog food menu including the cutest pancakes, muffins and whole meals to cater the doggies. The

café also promises delicious treats for the people including mix of Italian, American, Chinese and Israeli cuisines. 'I used to feel guilty leaving my pets behind when I had to go out. So, that's when the idea triggered me and then only I thought of starting something like this where I can take my dog and others can also bring their beloved pets and can enjoy together', said Naini Tandon owner of puppychino.

Mallika Tandon, co-owner of the café said,' the most difficult thing about making the existence of the café was to tackle people's perception about animals. But, people has been welcoming this café whole heartedly and we saw a huge crowd on its opening day itself'.

Overall this place is a fun for all. And if somebody doesn't owns a pet then also they can just visit the café and can play with the official mascots of puppychinoBobo the Labrador and Simba the husky. 'My dog's birthday was on 17th April and I took my pet to puppychino with my friends. My pet cherry had a great time and also made new friends said Sheena, a student